शिक्षा की गुणवत्ता पर मिलकर काम करने पर बल

हरियाणा केंद्रीय विवि में शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समागम

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान की उपयोगिता और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए शनिवार 14 अक्तूबर को राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक समागम हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने समागम में सम्मिलित हुए करीब 18 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और उनके प्रतिनिधियों के समक्ष कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए मिलकर काम किया जाए। कुलपति ने इस समागम को इस दिशा में बढ़ने वाला एक अहम कदम बताया और कहा कि जल्द ही आपसी शैक्षणिक साझेदारी के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों को एकजुट कर एक पोर्टल तैयार किया जाएगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से शैक्षणिक खंड 1 में आयोजित इस समागम में राज्य के शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के प्रतिनिधि के तौर पर जिला उपायुक्त डॉ. गरिमा मित्तल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह शामिल हुए। डॉ. गरिमा मित्तल ने कहा कि उनके लिए यह एक उम्दा अनुभव है कि विभिन्न प्रशासनिक कार्यों से इस राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व उनके प्रतिनिधियों के साथ संवाद का यह अवसर मिला। उन्होंने इसके लिए प्रो. आरसी कुहाड़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी चाह है कि विश्वविद्यालय अपने इस प्रयास के माध्यम से शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की दिशा में भी अपने संस्थानों से सकारात्मक प्रयासों को महत्व दे।

समागम समारोह में हिस्सा लेते 18 विश्वविद्यालय के कुलपति।

कुहाड़ ने कहा कि यह पहला ऐसा मौका है जब हरियाणा के किसी विश्वविद्यालय में इस तरह से विभिन्न विश्वविद्यालयों को एकजुट कर बेहतर शिक्षा, अनुसंधान व संस्कृति के संरक्षण को लेकर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा इस प्रयास को हम आगे ले जाएंगे और जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक ऐसा पोर्टल तैयार होगा जहां वे एक-दूसरे से साझेदारी कर उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर पाएंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केपी सिंह ने कहा कि आपसी सांझेदारी का यह कदम आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। समागम में प्रो. पी. प्रकाश, कुलपति एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत, प्रो. एचएल वर्मा, कुलपति, जगन्नाथ विश्वविद्यालय, बहादुरगढ़; डॉ. अशोक दिवाकर, कुलपति, स्टारएक्स विश्वविद्यालय, मानेसर, प्रो. विजय कुमार कायत, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. वाईएसआर मूर्ति, कुलपति, ओमप्रकाश जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, सोनीपत के कुलपति सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें डॉ. आर. नरसिंहमन, नार्थकैप विश्वविद्यालय, गुरुग्राम; प्रो. पीसी. जुनेजा, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, प्रो. शिव कुमार शर्मा, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर; प्रो. एस. के. गखड़, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, प्रो. आशुतोष उपाध्याय, निफ्टम, कुंडली के नाम शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व प्रतिनिधियों ने अपने यहां उपलब्ध सुविधाओं व संसाधनों की जानकारी दी और सहयोग के आगे बढ़ने पर सहमति जताई। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राम दत्त ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. ए.जे. वर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के चेयर प्रोफेसर रणवीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर, डॉ. सारिका शर्मा व विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष शामिल हुए।

हकेंवि में समागम; शैक्षणिक साझेदारी के लिए एकजुट हुए प्रदेश के विश्वविद्यालय

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान की उपयोगिता और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए शनिवार को हरियाणा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक समागम हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस समागम में सम्मिलित हुए करीब 18 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष कहा कि 'अब समय आ गया है कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए मिलकर काम किया जाए।

'कुलपति ने इस समागम को इस दिशा में बढने वाला एक अहम कदम बताया और कहा कि जल्द ही आपसी शैक्षणिक साझेदारी के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों को एकजुट कर एक पोर्टल तैयार किया जाएगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के द्वारा शैक्षणिक खंड 1 में आयोजित इस समागम में राज्य के शिक्षा मंत्री प्रो. राम बिलास शर्मा के प्रतिनिधि के तौर पर जिला उपायुक्त डॉ. गरिमा मित्तल उपस्थित रहीं जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह शामिल हुए। डॉ. गरिमा मित्तल ने कहा कि उनके लिए लिए यह एक उम्दा अनुभव है कि विभिन्न प्रशासनिक कार्यों से इतर राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व उनके प्रतिनिधियों के साथ संवाद का यह अवसर मिला। उन्होंने इसके लिए प्रो. आरसी कुहाड़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी चाह है कि विश्वविद्यालय अपने इस प्रयास के माध्यम से शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की दिशा में भी अपने संस्थानों से सकारात्मक प्रयासों को महत्त्व दे।

इस कार्यक्रम को आगे तक ले जाएंगे : प्रो. कुहाड़

समागम में प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह पहला ऐसा मौका है जब हरियाणा के किसी विश्वविद्यालय में इस तरह से विभिन्न विश्वविद्यालयों को एकजुट कर बेहतर शिक्षा, अनुसंधान व संस्कृति के संरक्षण को लेकर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा इस प्रयास को हम आगे ले जाएंगे और जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक ऐसा पोर्टल तैयार होगा जहां वे एक-दूसरे से साझेदारी कर उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर पाएंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केपी सिंह ने कहा कि आपसी साझेदारी का यह कदम आने वाले समय में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से जहां हमें सूचना तकनीक की मदद से विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ शिक्षकों के शैक्षणिक अनुभवों का लाभ मिलेगा वहीं संसाधनों के मोर्चे पर भी आपसी आदान-प्रदान का मार्ग भी प्रशस्त होगा

ये विवि हुए शामिल; समागम में प्रो. पी. प्रकाश, कुलपति एसआरएम विवि सोनीपत, प्रो. एचएल वर्मा कुलपति जगन्नाथ विवि बहादुरगढ़, डॉ. अशोक दिवाकर कुलपति स्टार एक्स विवि मानेसर, प्रो. विजय कुमार कायत, चौधरी देवीलाल विवि सिरसा, प्रो. वाईएसआर मूर्ति, कुलपति ओमप्रकाश जिंदल ग्लोबल विवि सोनीपत के कुलपति सहित विभिन्न विवि के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें डॉ. आर. नरसिंहमन, नार्थकैप विवि,गुड़गांव प्रो. पी.सी. जुनेजा, बाबा मस्त नाथ विवि, रोहतक; प्रो. शिवकुमार शर्मा, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर मानेसर, प्रो. एसके गखड़ महर्षि दयानंद विवि रोहतक प्रो. आशुतोष उपाध्याय निफ्टम कुंडली के नाम शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विवि के कुलपतियों व प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। इस दौरान रजिस्ट्रार रामदत्त, अधिष्ठाता प्रो. एजे वर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के चेयर प्रोफेसर रणवीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर, डॉ. सारिका शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

पहल हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हुआ सभी विवि के कुलपतियों का समागम

शैक्षणिक साझेदारी के लिए एकजुट हुए हरियाणा के विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान की उपयोगिता और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए शनिवार को राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक समागम हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में हुआ। हकेंवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने समागम में आए 18 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए मिलकर काम किया जाए। जल्द ही आपसी शैक्षणिक साझेदारी के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों को एकजुट कर एक पोर्टल तैयार किया जाएगा।

कार्यक्रम में मंचासीन उपायुक्त गरिमा मित्तल।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस समागम में शिक्षा मंत्री प्रो. राम बिलास शर्मा के प्रतिनिधि के तौर पर जिला उपायुक्त डॉ. गरिमा मित्तल उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे। डॉ. गरिमा मित्तल ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने इस प्रयास के माध्यम से शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की दिशा में भी अपने संस्थानों से सकारात्मक प्रयासों को महत्व दें। प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों को एकजुट होकर बेहतर शिक्षा, अनुसंधान व संस्कृति के संरक्षण को लेकर चर्चा हो रही है। इस प्रयास को हम आगे ले जाएंगे और जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक ऐसा पोर्टल तैयार होगा जहां वे एक-दूसरे से साझेदारी कर उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए प्रयास करेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रो. केपी सिंह ने कहा कि आपसी साझेदारी आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस प्रयास के माध्यम से जहां हमें सूचना तकनीक की मदद से विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ शिक्षकों के शैक्षणिक अनुभवों का लाभ मिलेगा, वहीं संसाधनों के मोर्चे पर भी आपसी आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त होगा। समागम में एसआरएम विश्वविद्यालय सोनीपत के कुलपति प्रो. पी प्रकाश, प्रो. एचएल वर्मा, कुलपति जगन्नाथ विश्वविद्यालय बहादुरगढ, डॉ. अशोक दिवाकर, कुलपति स्टारएक्स विश्वविद्यालय मानेसर, प्रो. विजय कुमार कायत चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा, प्रो. वाईएसआर मूर्ति, कुलपति ओपी जिंदल विश्वविद्यालय सोनीपत सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें डॉ. आर नरसिंहमन, नार्थकैप विश्वविद्यालय गुरुग्राम; प्रो. पीसी जुनेजा, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, प्रो. शिवकुमार शर्मा, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर मानेसर, प्रो. एसके गक्खड़, मदवि रोहतक, प्रो. आशुतोष उपाध्याय, निफ्टम कुंडली के नाम शामिल हैं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व प्रतिनिधियों ने उनके पास उपलब्ध सुविधाओं व संसाधनों की जानकारी दी और सहयोग के आगे बढ़ने पर सहमति जताई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रामदत्त ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समागम में डीन अकादमिक प्रो. एजे वर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रो. रणवीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर, डॉ. सारिका शर्मा और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष शामिल हुए।